

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर



हिन्दी

द्वि-वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम0ए0)

नई शिक्षा नीति-2020 आधारित

2026-27 से प्रभावी

हिन्दी विभाग

कला संकाय

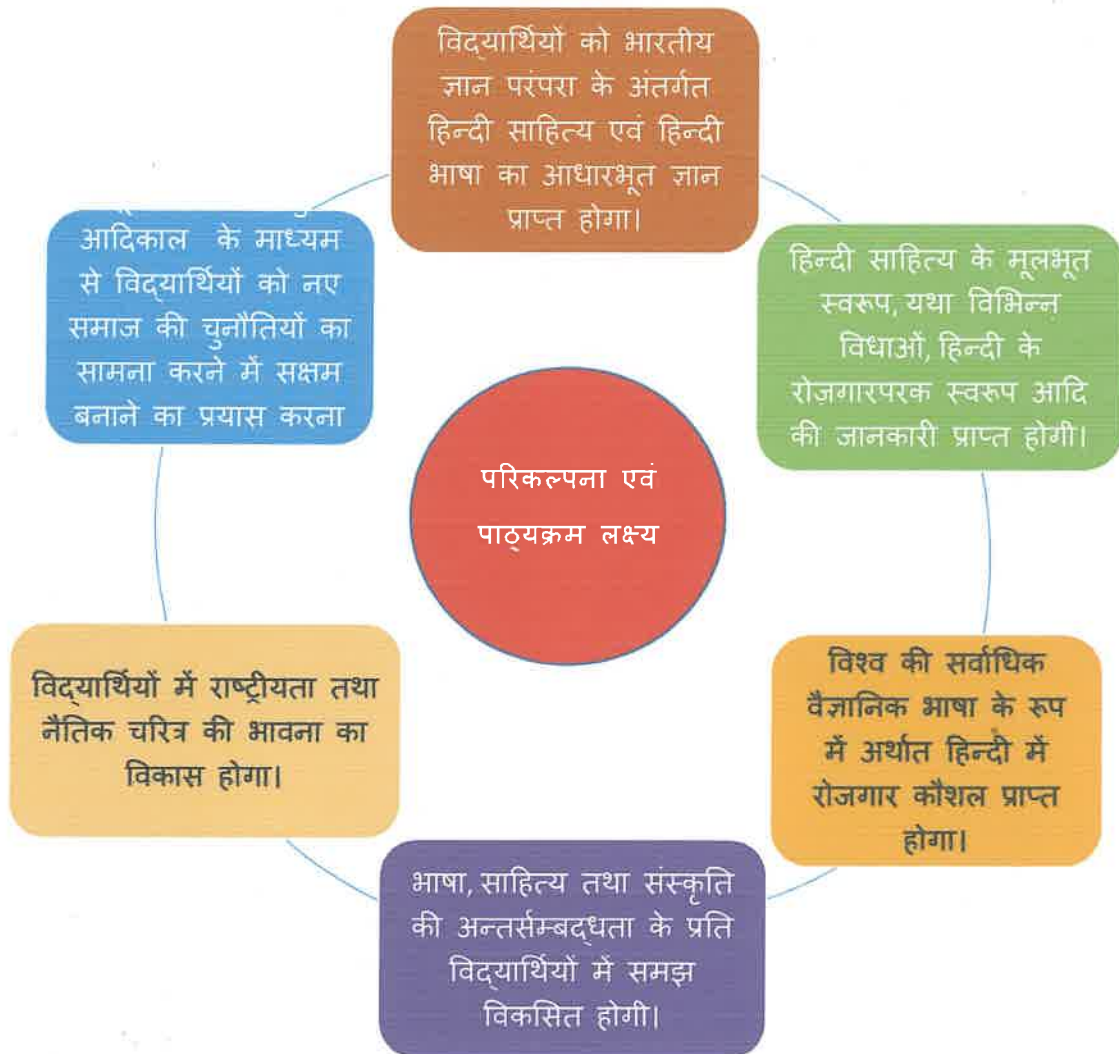
माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर

हिंदी विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार

स्नातकोत्तर वर्ग हेतु

पाठ्यक्रम संरचना एवं लक्ष्य



2- बी0 ए0: चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम आनर्स कोर्स / एम. ए. प्रथम वर्ष

वर्ष	सेमेस्टर	श्रेणी/ कोर्स का प्रकार	कोर्स कोड	प्रश्न पत्र का शीर्षक	क्रेडिट्स
चार वर्षीय स्नातक आनर्स कोर्स / स्नातकोत्तर I वर्ष	VII सप्तम / एम. ए. I	मेजर अनिवार्य	AO10701 T	प्रश्न पत्र 01- हिन्दी भाषा और साहित्य का आरम्भ	04
			AO10702 T	प्रश्न पत्र 02- आदिकाल : इतिहास और साहित्य	04
			AO10703 T	प्रश्न पत्र 03- हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन: परंपरा और दृष्टि	04
			AO10704 T	प्रश्न पत्र 04-- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	04
			AO10705 T	प्रश्न पत्र 05- हिंदी सिनेमा	04
कुल क्रेडिट्स-20					
चार वर्षीय स्नातक आनर्स कोर्स / स्नातकोत्तर I वर्ष	VIII अष्टम / एम. ए. II	मेजर अनिवार्य	AO10801T	प्रश्नपत्र 01- पूर्व मध्यकाल, (भक्तिकाल) एवं रीति काल): इतिहास एवं साहित्य ।	04
			AO10802T	प्रश्न पत्र 02- उत्तर मध्यकाल (रीति काल): इतिहास एवं साहित्य	04
			AO10803 T	प्रश्नपत्र 03- भाषा विज्ञान एवं भाषा अध्ययन के नए क्षेत्र	04
			AO10804T	प्रश्न पत्र 04- तुलनात्मक साहित्य, अवधी साहित्य, भोजपुरी साहित्य, लोक साहित्य और अनुवाद विज्ञान में से कोई एक प्रश्न पत्र	04
			AO10805 T	प्रश्न पत्र 05- हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम, पटकथा और विज्ञापन लेखन	04
कुल क्रेडिट्स-20					

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vidhyarasi University, Mirzapur

सामान्य निर्देश

सतत आंतरिक मूल्यांकन हेतु सामान्य निर्देश - उपरोक्त समस्त प्रश्न पत्रों में रिसर्च प्रोजेक्ट/ लघु शोध कार्य को छोड़कर मुख्य परीक्षा के पूर्णांक 75 अंक तथा आंतरिक परीक्षा के 25 अंक होंगे। सतत आंतरिक परीक्षा (मिड टर्म परीक्षा) के मूल्यांकन हेतु अंकों का विभाजन निम्न लिखित होंगे -

दक्षता परीक्षण, समूह कार्य (कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर) परियोजना कार्य वाचन इत्यादि के लिए निर्धारित अंक कुल अंक 25	परियोजना कार्य	10 अंक
	प्रस्तुतिकरण हेतु	05
	क्विज़ के लिए	05
	उपस्थिति के लिए	05
		कुल अंक- 25






Dean

Faculty of Humanities
Maa Vaidhyavasi University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VII/MA I
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010701T		COURSE TITLE: हिन्दी भाषा और साहित्य का आरम्भ	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य : इस पत्र के माध्यम से हिन्दी भाषा और साहित्य के आरम्भ के विभिन्न स्रोतों, मान्यताओं, रचानात्मक परिदृश्य की समझ हासिल की जाएगी। साथ ही विभिन्न संज्ञाओं के जन्म की कहानी, उनके अर्थसंकोच और अर्थविस्तार के कारकों की भी पहचान की जाएगी। अपभ्रंश, अवहट्ट, मैथिली, दक्खिनी हिन्दी आदि के आरम्भिक सृजन संसार और भाषा निर्माण की प्रक्रियाओं का भी अध्ययन किया जाएगा। हिन्दी क्षेत्रों की विभिन्न भाषाओं/उपभाषाओं का अध्ययन भी इस पत्र में प्रस्तावित है। - इकाई 1 हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति सम्बन्धी मतों को जानना, हिन्दी के विविध रूपों की पहचान एवं उसकी विकास यात्रा को समझना, हिन्दी क्षेत्रों की विविध उपभाषाओं की जानकारी। - इकाई 2 हिन्दी भाषा के विकास को विभिन्न साहित्येतिहास कालखंडों के आइने में परखना, खड़ी बोली के विभिन्न रूपों को विचारकों की दृष्टि से समझना। - इकाई 3 हिन्दी साहित्य के आरम्भ को अपभ्रंश के उत्तरवर्ती दौर से, सिद्धों-नार्थों एवं लौकिक साहित्य यात्रा के माध्यम से समझना। - इकाई 4 खड़ी बोली के स्वरूप को फोर्ट विलियम कॉलेज से आधुनिक काल तक समझना।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	हिन्दी भाषा I		15


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vaidhyavasani University, Mirzapur

	हिन्दी शब्द का अर्थ, हिन्दी की अवधारणा, अपभ्रंश एवं आधुनिक भाषाएँ / उपभाषाएँ, हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, हिन्दी क्षेत्र: पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, पहाड़ी, बिहारी, दक्खिनी हिन्दी: क्षेत्र और विकासक्रम, भाषा रूप: हिन्दी, हिन्दुई, हिन्दुस्तानी, उर्दू।	
II	हिन्दी भाषा II हिन्दी भाषा का विकास: आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल, हिन्दी अस्मिता सम्बन्धी विभिन्न मत। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, लक्ष्मण सिंह, राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद, द्वि. वेदी युग एवं हिन्दी भाषा का स्वरूप।	15
III	हिन्दी साहित्य का आरंभ I उत्तर अपभ्रंश, अवहट्ट एवं पुरानी हिन्दी सम्बन्धी स्थापनाएँ और हिन्दी साहित्य का आरम्भ, प्रथम कवि और प्रथम रचना, अपभ्रंश साहित्य का संक्षिप्त परिचय, अपभ्रंश का जैन साहित्य और रचनाओं का वर्गीकरण, नाथ सम्प्रदाय और साहित्य, लौकिक साहित्य एवं उनकी विशेषताएँ।	15
IV	हिन्दी साहित्य का आरंभ II फोर्ट विलियम कॉलेज और हिन्दी, हिन्दी भाषा के सन्दर्भ में विभिन्न विद्वानों/विचारकों की मान्यताएँ: गार्सा द तांसी, शिवसिंह सेंगर, मिश्रबन्धु, जॉर्ज ग्रियर्सन, चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, महावीर प्रसाद द्विवेदी, महात्मा गांधी, रामचन्द्र शुक्ल, प्रेमचन्द, हजारीप्रसाद द्विवेदी।	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी। 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० लक्ष्मी सागर वाष्णीय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग। 3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ० राजकिशोर त्रिपाठी, प्र० अरूण प्रकाशन, कलकत्ता। 4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : पं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्र० वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी। 5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा, प्र० रामनारायण लाल प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्र० बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ० वासुदेव सिंह, प्र० हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० लक्ष्मीसागर वाष्णीय, प्र० लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ० श्री कृष्णलाल, प्र० हिन्दी परिषद प्रयाग।	

	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vinayakdas University, Mirzapur



PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VII/MA I
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010702T	COURSE TITLE: आदिकाल: इतिहास और साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य : इस प्रश्न पत्र के माध्यम से आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, विभिन्न परिस्थितियाँ, भाषा रूपों का अध्ययन अपेक्षित है। साथ ही भविष्य के हिन्दी साहित्य और संस्कृति की पीठिका की समझ का निर्माण भी होगा। कतिपय चयनित अंशों के माध्यम से आदिकालीन रचना परिदृश्य को समझने का प्रयास होगा। 1. इकाई 1 आदिकाल के नामकरण, काल-निर्धारण, भाषा रूप आदि को समझना। 2. इकाई 2 आदिकाल की पृष्ठभूमि का ज्ञान प्राप्त करना। 3. इकाई 3 आदिकाल की पृष्ठभूमि को रासो, लौकिक साहित्य और अमीर खुसरो की दृष्टि से समझना। 4. इकाई 4 सरहपा, चंदबरदाई, विद्यापति, और खुसरो की कविता के चयनित अंशों की समझ प्राप्त करना।		
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	आदिकाल की पृष्ठभूमि I आदिकाल: नामकरण सम्बन्धी विचार एवं काल निर्धारण, परिवेश, राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थिति, आदिकालीन भाषा रूप।	15
II	आदिकाल की पृष्ठभूमि II अपभ्रंश साहित्य: पृष्ठभूमि और प्रभाव, आदिकाल की उपलब्ध सामग्री. प्रमाणिकता, ग्रहण और त्याग का सन्दर्भ, सिद्ध साहित्य और जैन साहित्य।	15


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vaidhyarasi University, Mirzapur

III	आदिकाल की पृष्ठभूमि III रासो साहित्य, पृथ्वीराज रासो- विभिन्न संस्करण, प्रामाणिकता-अप्रामाणिकता के लिए तर्क, काव्योत्कर्ष, अमीर खुसरो, विद्यापति, लौकिक साहित्य और उसकी विशेषताएँ।	15
IV	चयनित अंश इस युनिट में निर्धारित पद्यांश की व्याख्या और काव्य सौन्दर्य का उद्घाटन अपेक्षित है- 1. सरहपा – हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान-नामवर सिंह में संकलित सरहपा के दस दोहे। 2. चन्दबरदाई- पृथ्वीराज रासो – संयोगिता परिणय, माताप्रसाद गुप्त, साहित्य सदन, चिरगांव, झांसी। 3. विद्यापति-नागार्जुन सम्पादित विद्यापति के गीत, वाणी प्रकाशन, गीत संख्या 3,4,5,6,9,14,17,20,25,37 और 64 4. खुसरो की हिन्दी कविता : सम्पादक – ब्रजरत्न दास (मुकरी-156, 160, 162, 168, 175, 184, 185, 188, 197, 204 - दस दोहे) गीत-95, 112, 113, 116, 125, 126 कुल छः गीत।	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी। 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० लक्ष्मी सागर वाष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग। 3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ० राजकिशोर त्रिपाठी, प्र० अरूण प्रकाशन, कलकत्ता। 4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : पं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्र० वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी। 5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा, प्र० रामनारायण लाल प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्र० बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ० वासुदेव सिंह, प्र० हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० लक्ष्मीसागर वाष्णेय, प्र० लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ० श्री कृष्णलाल, प्र० हिन्दी परिषद प्रयाग। 10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं० डॉ० नगेन्द्र। 11. हिन्दी गद्यशैली का विकास : डॉ० जगन्नाथ प्रसाद वर्मा, ना० प्र० सभा, वाराणसी। 12. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह, राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली।	

	13. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 14. कीर्तिलता और अवहट्ट - शिवप्रसाद सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 15. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 16. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान - नामवर सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद। 17. विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 18. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज। 19. चन्दबरदाई. पृथ्वीराज रासउ - संयोगिता परिणयए माताप्रसाद गुप्तए साहित्य सदनए चिरगांवए झांसीछ 20. विद्यापति - नागार्जुन सम्पादित विद्यापति के गीत, वाणी प्रकाशनए नई दिल्ली। 21. खुसरो की हिन्दी कविता : सम्पादक - ब्रजरत्न दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी। This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VII/MA I
---------------------------------	--------------------------	--------------------------

Subject: Hindi

COURSE CODE: A010703T

COURSE TITLE: हिन्दी साहित्य का इतिहास
लेखन: परम्परा और दृष्टि

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन संबंधी विभिन्न दृष्टियाँ रही हैं। इस पत्र के माध्यम से इतिहास दर्शन साहित्य के इतिहास की परंपरा, काल विभाजन एवं प्रमुख सिद्धान्तों का विवेचन किया जायेगा। पत्र का उद्देश्य विभिन्न दृष्टियों की स्पष्ट समझ का निर्माण करना है।

1. इकाई 1
इतिहास दर्शन को साहित्य के अलोक में समझना।
2. इकाई 2
इतिहास लेखन परम्परा में नामकरण, काल विभाजन आदि को जानना।
3. इकाई 3
साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों को समझना।
4. इकाई 4
साहित्येतिहास दर्शन के अन्य प्रमुख सिद्धान्तों को समझना।

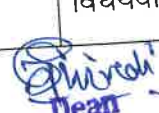
CREDITS: 4

MAX MARKS: 25+75

MIN. PASSING MARKS: 33

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	इतिहास लेखन परंपरा - I इतिहास : अर्थ एवं स्वरूप, इतिहास दर्शन, साहित्य का इतिहास दर्शन, साहित्येतिहास और साहित्यालोचना।	15
II	इतिहास लेखन परंपरा - II हिन्दी साहित्येतिहास की परंपरा, हिन्दी साहित्येतिहास के आधार, काल विभाजन और नामकरण, नामकरण की समस्याएँ।	15
III	साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त - I विधेयवाद, मार्क्सवाद, संरचनावाद, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ।	15


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

IV	साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त - II इतिहास और आलोचना, नव्य इतिहासवाद, साहित्येतिहास का नारीवादी, दलित, आदिवासी एवं एल0जी0बी0टी0 के संदर्भ	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 2. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 3. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 4. हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना 5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग-एक), विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी। 6. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद 8. साहित्य का इतिहास-दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना 9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 10. साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली 11. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद। This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vinaykavasi University, Mirzapur



	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
--	--	--


 Dean
 Faculty of Humanities
 P. J. Vaidhyavasani University, Mirzapur




PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VII/MAI
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010704T		COURSE TITLE: भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 भारतीय ज्ञान परंपरा के काव्यशास्त्रीय परम्परा से परिचित होंगे।			
2. इकाई 2 भारतीय काव्यशास्त्र के ध्वनी, वक्रोक्ति, औचित्य आदि सिद्धांतों से परिचय प्राप्त करेंगे।			
3. इकाई 3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की व्यापक समझ बनेगी।			
4. इकाई 4 पाश्चात्य दार्शनिकों के दर्शन से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	भारतीय काव्यशास्त्र – I - काव्य लक्षण - काव्य हेतु - काव्य प्रयोजन - काव्य के प्रकार रस सिद्धांत - रस सिद्धांत - रस का स्वरूप - रस निष्पत्ति - रस के अंग - साधारणीकरण		15

	● सहृदय की अवधारणा अलंकार सिद्धांत ● मूल स्थापनाएं ● अलंकारों का वर्गीकरण रीति सिद्धांत ● रीति की अवधारणा ● काव्य गुण ● रीति एवं शैली ● रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं	
II	भारतीय काव्यशास्त्र – II वक्रोक्ति सिद्धांत ● वक्रोक्ति की अवधारणा ● वक्रोक्ति के भेद ● वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ध्वनि सिद्धांत ● ध्वनि का स्वरूप ● ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं ● ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद ● गुणीभूत व्यंग्य ● चित्र काव्य औचित्य सिद्धांत ● प्रमुख स्थापनाएं औचित्य के भेद	15
III	पाश्चात्य काव्यशास्त्र – III प्लेटो ● काव्य सिद्धांत अरस्तू ● अनुकरण सिद्धांत ● त्रासदी ● विरेचन लान्जाइनस ● औदात्य की अवधारणा	15

	ड्राइडन • काव्य सिद्धांत वर्ड्सवर्थ • काव्य भाषा का सिद्धांत कोलरिज कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना	
IV	पाश्चात्य काव्यशास्त्र – IV • मौथ्यु ओर्नाल्ड • आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य टी.एस.इलियट • परम्परा की परिकल्पना और वैक्तिक प्रज्ञा • निवैक्तिकता का सिद्धांत • वस्तुनिष्ठ समीकरण आई.ए.रिचर्ड्स • रागात्मक अर्थ • सम्बेगों का संतुलन • सम्प्रेषण सिद्धांत सिद्धांत और वाद • स्वच्छन्दतावाद • अभिव्यंजनावाद • मार्क्सवाद • मनोविश्लेषणवाद • अस्तित्ववाद • उत्तरआधुनिकता अन्य बिंदु • मिथक • फंतासी • कल्पना • बिम्ब	15

	• प्रतीक	
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. भारतीय साहित्यशास्त्र कोश : डॉ० राजवंश सहाय हीरा, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना। 2. समीक्षा दर्शन : डॉ० रामलाल सिंह (प्रथम एवं द्वितीय भाग), प्र० इण्डियन प्रेस, प्रयाग। 3. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त : राजवंश सहाय हीरा, चौखम्भा प्रेस, वाराणसी। 4. काव्यशास्त्र : डॉ० भगीरथ मिश्र, प्र० विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। 5. रस-विमर्श : डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी। 6. भारतीय काव्यशास्त्र की नयी व्याख्या : डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी। 7. कविता के प्रतिमान : डॉ० रवीन्द्र भ्रमर। 8. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ० नगेन्द्र, प्र० नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। 9. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश-त्र्यम्बक देशपाण्डेय, पापुलर बुक डिपो, मुम्बई। 10. साहित्यालोचन : डॉ० श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रेस, प्रयाग। 11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त : डॉ० जगदीश प्रसाद मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली। 12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 13. पाश्चात्य काव्यशास्त्र परम्परा : डॉ० नगेन्द्र। 14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ० देवेन्द्रनाथ शर्मा। This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods:	

	1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vindhyavasini University, Mirzapur




PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VII / MA I
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010705T		COURSE TITLE: हिन्दी सिनेमा	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 भारतीय सिनेमा का इतिहास समझने में मदद मिलेगी।			
2. इकाई 2 भारतीय सिनेमा के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त होगी।			
3. इकाई 3 सिनेमा से जुड़े तमाम शब्दावलियों का गहनता से अध्ययन सुनिश्चित की जाएगी।			
4. इकाई 4 सिनेमा के प्रायोगिक कार्य से विद्यार्थियों के लिए रोजगार के नये मार्ग प्रशस्त होंगे।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+50	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	हिन्दी सिनेमा –I ● हिन्दी सिनेमा का आरम्भ ● हिन्दी सिनेमा और दादा साहब फाल्के ● हिन्दी मूक सिनेमा ● हिन्दी सवाक सिनेमा ● भारतीय सिनेमा का अति संक्षिप्त परिचय		15
II	हिन्दी सिनेमा –II ● सन 1947 से 1980 के दौर का हिन्दी सिनेमा (प्रमुख फिल्में – आवारा , दो बीघा ज़मीन, उसने कहा था, मेरा नाम जोकर, मदर इंडिया और शोले) ● सन 1980 से 2000 के बाद का हिंदी सिनेमा (प्रमुख फ़िल्में – मिस्टर इंडिया, एक डॉक्टर की मौत, चश्मे बंदू, छत्तीस चौरंगी लेन और अंगूर)		15


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

	● सन 2000 के बाद का हिंदी सिनेमा (प्रमुख फ़िल्में – चक दे इंडिया, द लिजेंड ऑफ़ भगत सिंह, स्लमडॉग मिलियनेयर, मेरी कॉम और दंगल) ● हिंदी सिनेमा : विषय वैविध्य (समसामयिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राजनितिक पहलू)	
III	हिन्दी सिनेमा –II ● प्रमुख व्यक्तित्व : राजकपूर, श्याम बेनेगल, हृषिकेश मुखर्जी, ओमपुरी, दिलीप कुमार, के.एल. सहगल, मीना, वहीदा रहमान और स्मिता पाटिल आदि) ● समानांतर सिनेमा ● प्रतिबंधित सिनेमा ● सिनेमाई भाषा का स्वरूप ● सेंसरशिप ● हिंदी सिनेमा :प्रतिरोध और विमर्श ■ स्त्री प्रतिरोध (मंडी, छपाक, लज्जा और मेरी कॉम) ■ दलित प्रश्न (अछूत कन्या और सद्गति) ■ आदिवासी जीवन (माझी : द माउन्टेन मैन, मृगया) ■ बाल सिनेमा (तारे जमीं पर, मासूम, मकड़ी) ● भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी सिनेमा ● डिजिटल सिनेमा का संक्षिप्त परिचय	15
IV	चतुर्थ इकाई में हिंदी सिनेमा से सम्बंधित प्रायोगिक कार्य निर्धारित है - ● किन्ही दो साहित्य आधारित फ़िल्मों का अध्ययन (काबुलीवाला, उमराव जान, रजनीगंधा, गाइड, तीसरी कसम, श्री इंडियट्स, निशांत, नौकर की कमीज, चरणदास चोर) ● फिल्म समीक्षा ● फिल्म निर्माण और मूल्यांकन (उपलब्ध संसाधन से) ● समसामयिक फीचर फिल्म/डॉक्युमेंट्री/रिपोर्ट लेखन पर समूह चर्चा ● शोध पत्र/लेख समीक्षा का प्रस्तुतिकरण ● मौखिकी	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, जवरीमल्ल पारख, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली	

	2. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, जवरीमल्ल पारख, ग्रन्थ शिल्पी, दिल्ली 3. विश्व सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ 100 फ़िल्में, राकेश मित्तल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 4. डायरेक्टर्स कट, जावेद हमीद, अतुल्य पब्लिकेशंस, दिल्ली 5. जीवन को गढ़ती फ़िल्में, प्रयाग शुक्ल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 6. हिन्दी सिनेमा की यात्रा, पंकज शर्मा, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 7. प्रतिरोध और सिनेमा, महेंद्र प्रजापति, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली 8. जिन्दगी, गुरुदत्त 9. दो गुल्फामों की तीसरी कसम, अनंत कुथौल, कीकट प्रकाशन, पटना 10. बिछड़े सभी बारी-बारी, विमल मित्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 11. भारतीय सिनेमा का अन्तःकरण, विनोद दास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vaidhyavasinii University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010801T		COURSE TITLE: पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल): इतिहास और साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 क . भक्ति काल के दार्शनिक सामाजिक राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पक्षों को जानना। ख. भक्ति काल के उद्भव एवं विकास के विभिन्न पक्षों को जानना। ग. भक्ति काल की आरंभिक भारतीय स्वरूप को जानना। 2. इकाई 2 कबीर काव्य के कतिपय आस्वाद धरातालों से परिचित होना। मलिक मोहम्मद जायसी के पद्यावत के सौंदर्य एवं साहित्य बोध को जानना। 3. इकाई 3 भ्रमरगीत के दार्शनिक एवं साहित्यिक पीठिका के रचना अंशों को समझना। 4. इकाई 4 तुलसीदास की प्रतिनिधि रचना रामचरितमानस के कतिपय अंशु से परिचित होना। मीरा के काव्य में कतिपय अंशों से परिचित होना।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	पूर्व मध्यकाल का इतिहास (भक्तिकाल) ● सामाजिक और राजनैतिक परिदृश्य ● उद्भव और विकास ● भक्तिकाल का भूगोल		15
II	कबीर ग्रंथावली - संपादक : श्यामसुन्दर दास, ना0 प्र0 सभा, काशी ● गुरुदेव कौ अंग: 1, 20, सुमिरन कौ अंग : 4, 14 , विरह कौ अंग : 12, 24 ● ग्यान बिरह कौ अंग : 5, 10, परचा कौ अंग : 3, 5		15

	● पद संख्या 1, 23, 39, 59, 71 (कुल 5 पद) जायसी : पद्मावत : सं. रामचन्द्र शुक्ल : नागमती-वियोग खंड	
III	सूरदास : भ्रमरगीत सार - सं० रामचन्द्र शुक्ल, ना० प्र० सभा, काशी : पद संख्या 2, 5, 8, 9, 10, 14, 16, 20, 23, 25	15
IV	तुलसीदास : रामचरितमानस : तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर : अयोध्या काण्ड से सीता-राम संवाद : (मासपारायण, चौदहवाँ विश्राम से लेकर दोहा संख्या 67 की दो चौपाइयों तक) मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-110002 5 पद - मण थे परस हरि रे चरण, आली री म्हा रे जेणां बाण पड़ी, म्हां गिरधर आगा नाच्यारी, माई री म्हां लियां गोविदाँ मोल, येँ मत बरजां माइरी	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 12. कबीर : आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 13. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी, सभा 14. त्रिवेणी : सं० आचार्य रामचन्द्र शुक्ल 15. सूर साहित्य : आ० हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 16. हिन्दी साहित्य का इतिहास : संपादक - डॉ० नगेन्द्र 17. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ 18. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी 19. तुलसी काव्य मीमांसा : उदयभानु सिंह 20. महाकवि सूरदास : नंददुलारे वाजपेयी 21. सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा 22. जायसी : विजयदेवनारायण साही 23. महाकवि जायसी और उनका काव्य : इकबाल अहमद, लोकभारती प्रकाशन 24. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य : शिवकुमार मिश्र 25. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vinayak University, Mirzapur

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

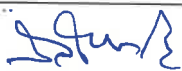

 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010802T		COURSE TITLE: उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल): इतिहास और साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 रीतिकाल के सामाजिक, राजनैतिक परिदृश्य को समझना, उद्भव और विकास की यात्रा की समझ हासिल करना।			
2. इकाई 2 बिहारी और केशवदास के काव्य संसार को समझना! रचना सौंदर्य का उद्घाटन करना।			
3. इकाई 3 भूषण के रचना सौंदर्य का उद्घाटन।			
4. इकाई 4 घनानंद रचना सौंदर्य का का उद्घाटन।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	उत्तर मध्यकाल का इतिहास (रीतिकाल) ● सामाजिक और राजनैतिक परिदृश्य ● उद्भव और विकास		15
II	बिहारी सतसई : बिहारी रत्नाकर , सं. जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005 ई. दोहा संख्या : 1, 9, 20, 38, 55, 85, 135, 171, 191, 207, 300, 406, 428, 588, 658 रामचंद्रिका : केशवदास; केशव कौमुदी (प्रथम भाग) सं. लाला भगवानदीन 11वाँ प्रकाश - छंद सं 0 1 से 5 तक, 12वाँ प्रकाश - छंद सं 0 1 से 5 तक		15

III	भूषण-ग्रंथावली, प्रधान संपादक : विश्वनाथप्रसाद मिश्र, साहित्य सेवक कार्यालय, काशी, शरत्पूर्णिमा, संवत् 1993 शिवा बावनी : प्रताप वर्णन, रण-प्रस्थान वर्णन, विजय वर्णन छत्रसाल दशक : पराक्रम वर्णन, दान वर्णन	15
IV	घनानंद कवित्त : सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र 10 छंद : छंद सं० 1, 5, 8, 9, 15, 17, 19, 68, 70, 71	15
संदर्भ ग्रन्थ: 1. बिहारी सार्धशती : ओमप्रकाश 2. बिहारी : ओमप्रकाश 3. बिहारी की काव्य सृष्टि : जयप्रकाश 4. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथप्रसाद मिश्र 5. रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना : बच्चन सिंह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 6. बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 7. भूषण विमर्ष : भागीरथप्रसाद दीक्षित 8. महाकवि भूषण : भागीरथप्रसाद दीक्षित, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद 9. वीर काव्य : भागीरथप्रसाद दीक्षित 10. घनानंद : एरिस बंका 11. घनानंद (साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ) 12. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ० नगेन्द्र 13. रीतिकाव्य : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन 14. रीतिकाव्य : मूल्यांकन के नये आयाम, सं. डॉ० प्रभाकर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।		
Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण		

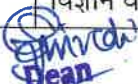
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

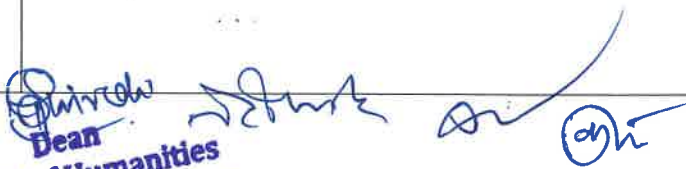

 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vinayak University, Mirzapur





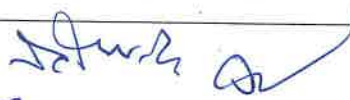
PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII/MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010803T		COURSE TITLE: भाषा विज्ञान और भाषा अध्ययन के नए क्षेत्र	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 भाषा की उत्पत्ति के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे साथ-ही-साथ विभिन्न भाषा परिवार की भाषाओं से भी परिचय प्राप्त करेंगे। 2. इकाई 2 भाषा की सूक्ष्मतम इकाई ध्वनि के बारे में व्यापक समझ बनेगी। 3. इकाई 3 हिंदी भाषा के उद्भव और विकास की विस्तृत जानकारी के साथ ही हम राजभाषा हिंदी के संवैधानिक स्वरूप के बारे में भी जान सकेंगे। 4. इकाई 4 भाषा की मानकीकरण की व्यापक समझ विकसित होगी।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा , भाषोत्पत्ति के विविध सिद्धान्त, भारत में भाषा अध्ययन एवं भाषा विज्ञान की परम्परा । भाषा का वर्गीकरण : पारिवारिक एवं आकृतिमूलक, भारत के विभिन्न भाषा परिवार की विशेषताएँ और हिन्दी ।		15
II	ध्वनि विज्ञान: अर्थ एवं अवधारणा, ध्वनि परिवर्तन के कारण व दिशायेँ, पद विज्ञान: अर्थ और अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ विज्ञान: अर्थ और अवधारणा, अर्थ प्रतीति के साधन अर्थ परिवर्तन के कारण व दिशायेँ, वाक्य विज्ञान: अर्थ और अवधारणा, वाक्य रचना के आधार, वाक्य के प्रकार, वाक्य के निकटतम अवयव, व्याकरणिक कोटियाँ: अभिप्राय एवं उद्देश्य, रूपिम की परिभाषा एवं प्रकार, कोश विज्ञान व शैली विज्ञान का स्वरूप		15


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

III	हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी राजभाषा के रूप में हिन्दी की वर्तमान स्थिति, राष्ट्रभाषा के आवश्यक गुण और हिन्दी, वैश्विक हिन्दी	15
IV	हिन्दी मानकीकरण, समस्या और समाधान, आधुनिक तकनीकी विकास और हिन्दी देवनागरी लिपि के उद्भव, विकास एवं इसकी वैज्ञानिकता	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली 2. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद 3. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास - उदय नारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद 4. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 5. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान-देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 6. हिन्दी भाषा - भोलानाथ तिवारी। 7. भाषा शास्त्र की रूपरेखा : उदयनारायण तिवारी 8. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना 9. हिन्दी - उद्भव, विकास और रूप : डॉ० हरदेव बाहरी 10. भारत की भाषा -समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन 11. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना 12. हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन 13. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा 14. आधुनिक भाषा विज्ञान : राजमणि शर्मा 15. हिन्दी भाषा का इतिहास : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन 16. संपर्क भाषा हिन्दी : सुरेश कुमार, ठाकुर दास, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
		

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vindhyavasini University, Mirzapur




PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII/ MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010804TA		COURSE TITLE: तुलनात्मक साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 तुलनात्मक साहित्य के सामाजिक संस्कृतिक महत्व को समझना।			
2. इकाई 2 कन्नड़ और हिंदी के उपन्यासों के तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से संस्कृतिक, सामाजिक निर्मितियों संरचनाओं को समझना।			
3. इकाई 3 रविंद्रनाथ टैगोर की कविताओं के अध्ययन में भारतीय ज्ञान परम्परा को समझना।			
4. इकाई 4 मराठी नाट्य विधा के द्वारा महाराष्ट्र की संस्कृति एवं सभ्यता को समझना।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	तुलनात्मक साहित्य : अर्थ और अवधारणा, तुलनात्मक भारतीय साहित्य का स्वरूप और विभिन्न स्कूल		15
II	उपन्यास : संस्कार : यू आर अनंतमूर्ति, (कन्नड़ से अनुदित)		15
III	कविता : रवीन्द्रनाथ टैगोर की 3 कविताएं : भारत तीर्थ, मुक्ति, प्रार्थना (बांग्ला से अनुदित) कहानी : अँधेरे की आत्मा : एम. टी. वासुदेवन नायर (मलयालम से अनुदित)		15
IV	नाटक : घासीराम कोतवाल : विजय तेंदुलकर, (मराठी से अनुदित)		15
संदर्भ ग्रन्थ:			
1. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका : इन्द्रनाथ चौधुरी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1983			


 Dean
 Faculty of Humanities
 Indhyavardani University, Mirzapur

2. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य : इन्द्रनाथ चौधुरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. तुलनात्मक साहित्य शास्त्र : इतिहास और समीक्षा : (भूमिका) डॉ. भागीरथ मिश्र, लेखक विष्णुदत्त राकेश, साहित्य सदन, देहरादून
4. तुलनात्मक साहित्य : (सं.) डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1985.
5. तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप एवं समस्याएँ : (सं.) डॉ. भ. ह. राजूरकर एवं डॉ. राजकमल बोरा, वाणी प्रकाशन
6. तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाएँ और साहित्य : (सं.) डॉ. भ. ह. राजूरकर एवं डॉ. राजकमल बोरा, वाणी प्रकाशन
7. तुलना और तुलना : डॉ० के० वनजा, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2001
8. तुलनात्मक साहित्य समाकलन : टी० जी० मयंकड, (सं०) डॉ० नगेन्द्र
9. तुलनात्मक साहित्य : नये सिद्धांत उपयोजन, डॉ० आनंद पाटिल, हिन्दी बुक कारपोरेशन, दिल्ली, 2006
10. बांग्ला साहित्य का इतिहास सुकुमार सेन (अनुवादक) निर्मला जैन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2004.
11. बांग्ला और उसका साहित्य : श्री हंस कुमार तिवारी, (सं.) क्षेमचन्द्र सुमन, राजकमल प्रकाशन. नई दिल्ली
12. कहानी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ० सी० एम० योहान्नन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. भारतीय साहित्य के निर्माता : शिशिर कुमार घोष, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2008
14. भारतीय साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन : (सं०) डॉ० शंभुनाथ पाण्डेय, डॉ० ब्रजेश्वर वर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान द्वारा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा से प्रकाशित, 1966
15. भारतीय भाषाओं के पुरस्कृत साहित्यकार : (सं०) डॉ० आरसु, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
16. भारतीय सौन्दर्य सिद्धान्त की नयी परिभाषा : डॉ० सुरेन्द्र एस. बारलिंगे, भारतीय ज्ञानपीठ
17. The criticism of comparison, contemporary criticism (सं०) मैलकॉक ब्रैडवरी, डेविड पामर
18. तौलनिक साहित्याभ्यास : बसंत बापट, मौज प्रकाशन, मुंबई, 1990
19. हिन्दी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ० रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
20. हिंदी साहित्य : सरोकार और साक्षात्कार : डॉ० आरसु, परमेश्वरी प्रकाशन (किताबघर प्रकाशन का उपक्रम), दिल्ली
21. इस्पातिका : भारतीय उपन्यास विशेषांक

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vinhyavastai University, Mirzanur




PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010804TB		COURSE TITLE: अवधी साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
इस प्रश्न के माध्यम से अवधी भाषा और साहित्य से छात्र परिचित हो सकेंगे! अवधी भाषा और साहित्य का विस्तार क्षेत्र हिंदी भाषा क्षेत्र में समाहित है। हिंदी की संरचना को अवधी ने किस तरह प्रभावित किया है, जिज्ञासा का समाहार प्रस्तुत करना भी प्रश्न पत्र का उद्देश्य है। अवधी क्षेत्र के संस्कृतिक, साहित्यिक एवं वैचारिक स्वर को पहचानने के साथ- साथ प्रतिरोध की साझी वैचारिकी से भी पाठक परिचित होंगे। अवधी साहित्य में उपस्थित लोक, विषय वैविध्य और भाषिक प्रयोग के कारण अवधी को मध्यकाल की विशिष्ट भाषा और साहित्य का दर्जा दिया गया। कालांतर में अवधी भाषा की विकास यात्रा का आधुनिक स्वरूप नई चुनौतियों को किस प्रकार स्वर प्रदान कर रहा है के उद्देश्य की पूर्ति हेतु कोर्स का निर्धारण किया गया है। अवधी भाषा और साहित्य की हिंदी के साथ सहजीविता के वास्तविक स्वरूप की प्रस्तुति भी इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य है। - इकाई 1 अवधी की भाषिक अस्मिता और साहित्यिक अवदान से परिचित होंगे। - इकाई 2 काव्य प्रस्तुतियों के अवधी संस्करण की आधुनिक ध्वनियों से परिचित हो सकेंगे। - इकाई 3 किस्सागोई के अवधी लोक से कहानी तक की यात्रा में उपस्थित जीवन मूल्यों को जान पाएंगे। - इकाई 4 अवधी का विस्तृत लोक जीवनानुभवों का ज्ञान भंडार है, से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	अवधी साहित्य का इतिहास		15
II	पद्य १- बलभद्र प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस' कविता: बिटउनी सन्दर्भ-ग्रंथ - पढ़ीस ग्रंथावली (सं. - रामविलास शर्मा) प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ		15

२- वंशीधर शुक्ल कविता: राजा की कोठी सन्दर्भ-ग्रंथ - वंशीधर शुक्ल रचनावली (सं. - श्यामसुन्दर मिश्र 'मधुप') प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ ३- गुरुप्रसाद सिंह 'मृगेश' कविता: उजरि बदरवा मानी हूँगे सन्दर्भ-ग्रंथ - आधुनिक अवधी कविता (सं - अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी) प्रकाशन - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ४- चंद्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका' कविता: परबसता सन्दर्भ-ग्रंथ - बौछार प्रकाशन - ग्राम साहित्य मंदिर, लखनऊ ५- त्रिलोचन शास्त्री कविता: बरवै (परिशिष्ट के आरंभिक बीस बरवै) सन्दर्भ-ग्रंथ - अमोला की किसुली (सं. - अष्टभुजा शुक्ल) प्रकाशन - नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली ६- माता प्रसाद 'मितई' कविता: विदेसिया - पंचायत से अपढ़ पत्नी की शिकायत सन्दर्भ-ग्रंथ - लोकगीत (पूर्वी अवधी में) प्रकाशन- ग्राम सेविका प्रकाशन, लखनऊ ७- जुमई खां 'आजाद' कविता: कथरी सन्दर्भ-ग्रंथ - पहरुआ प्रकाशक - अवधी आश्रम, गोबरी, प्रतापगढ़ ८- विश्वनाथ पाठक कविता: पलायन सन्दर्भ-ग्रंथ - घर कै कथा प्रकाशन - भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ९- रफीक शादानी	
--	--

	कविता: जियौ बहादुर खदरधारी सन्दर्भ-ग्रंथ - जियौ बहादुर खदरधारी प्रकाशन - परिकल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली १०- रमाशंकर यादव 'विद्रोही' कविता: सीता सन्दर्भ-ग्रंथ - आधुनिक अवधी कविता (सं - अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी) प्रकाशन - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	
III	कहानी छोट के चोर (श्रीमती मोहिनी चमारिन) सन्दर्भ-ग्रंथ: कथा कहानी (सं. - भारतेन्दु मिश्र) प्रकाशक - परिकल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली कहानी गांव की जिंदगी (वंशीधर शुक्ल) सन्दर्भ ग्रंथ: वंशीधर शुक्ल रचनावली (सं. - श्यामसुंदर मिश्र 'मधुप') प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ उपन्यास-अंश: निरहू की वापसी अऊर दिल्ली बरनन सन्दर्भ ग्रंथ: नई रोसनी (भारतेन्दु मिश्र) प्रकाशक - कश्यप पब्लिकेशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	15
IV	लोककथा अवधी कहानी, नमूना-२ (जिला - फैजाबाद) सन्दर्भ-ग्रंथ: भारत का भाषा सर्वेक्षण (भाग -६) संकलनकर्ता व सम्पादक - सर जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन अनुवादक - डॉ. रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ आत्मकथांश: पिरेम कै आगि सन्दर्भ ग्रंथ: किस्सा पांडे सीताराम सूबेदार (मधुकर उपाध्याय) प्रकाशक - सारांश प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. अवधी कथा साहित्य का इतिहास, डॉ. अरविन्द कुमार 2. अवधी और उसका साहित्य, डॉ. त्रिलोकिनारायण दीक्षित 3. आधुनिक अवधी भोजपुरी इतिहास और काव्य, डॉ. शालिग्राम शुक्ल 4. अवधी की आधुनिक प्रबंध धारा, डॉ. ज्ञानवती	

Signature
Dean

	5. आधुनिक अवधी काव्य : लोक जीवन और संस्कृति, डॉ. सरोज शुक्ला This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Dean

Faculty of Humanities
V. V. Indhyasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE		BA IV YEAR/ MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII/MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010804TC		COURSE TITLE: भोजपुरी साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 उपन्यास और कहानी के स्वरूप को भोजपुरी के संदर्भ में समझना।			
2. इकाई 2 ग्राम देवता उपन्यास से भोजपुरी लोक वृत्त समझना।			
3. इकाई 3 कविता के माध्यम से भोजपुरी भूगोल के झंझावतों और आकांक्षाओं को देखना।			
4. इकाई 4 बिदेशिया नाटक के माध्यम से स्त्री पीड़ा को देखना।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	उपन्यास आ कहानी : परिभाषा आ स्वरूप , तत्त्व, भाषा आ शिल्प		15
II	ग्राम देवता : रामदेव शुक्ल		15
III	कविता : मोर हीरा हेरा गय कचरे में (कबीर) अछूत की शिकायत (हीरा डोम) सुरमा आँखी में नाहीं ई तू छुलावत बाटऽ (तेग अली) प्रतियोगिता प्रसंग (सुशांत शर्मा) “जटायु के प्रतियोगिता प्रसंग से 8वें छंद से 16वें छंद तक”		15
IV	नाटक : बिदेशिया (भिखारी ठाकुर)		15
संदर्भ ग्रन्थ:			
1. भोजपुरी साहित्य का इतिहास --कृष्णदेव उपाध्याय, भारतीय लोक संस्कृति शोध संस्था, वाराणसी			
2. भोजपुरी के आदिकवि कबीर : प्रो. ब्रजकिशोर एवं जितेंद्र वर्मा, अ. भा.भोजपुरी साहित्य सम्मेलन, पटना			

	3. भोजपुरी साहित्य के संक्षिप्त रुपरेखा : तैयब हुसैन पीड़ित, शब्द संसार पटना 4. भोजपुरी साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन : चन्द्रमा सिंह, जानकी प्रकाशन पटना 5. भोजपुरी कथा साहित्य के विकास : वेवेक राय 6. भोजपुरी कहानी विकास आ परम्परा : कृष्णा नन्द कृष्ण 7. समकालीन भोजपुरी साहित्य के कहानी विशेषांक 8. भोजपुरी उपन्यासों में जीवन मूल्य : बलिराम प्रसाद, डी. पी. ए. पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR/ MAI YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010804TD	COURSE TITLE: अनुवाद विज्ञान	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य : - इकाई 1 अनुवाद के महत्व की समझ बनेगी। - इकाई 2 अनुवाद प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी। - इकाई 3 साहित्यिक अनुवाद की जानकारी मिलेगी। - इकाई 4 मशीन से अनुवाद की प्रक्रिया की समझ विकसित होगी।		
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	अनुवाद का स्वरूप, महत्व एवं प्रकार, अनुवाद और भाषा का संबंध, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा से अभिप्राय, अनुवाद : विज्ञान, कला, शिल्प या शास्त्र, अनुवाद की भारतीय परंपरा, अनुवाद और रोजगार	15
II	अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार, अनुवाद की सीमाएं एवं समस्याएं, अनुवाद की विभिन्न प्रयुक्तियाँ	15
III	साहित्यिक अनुवाद : काव्यानुवाद एवं भावानुवाद, कार्यालयी अनुवाद, मीडिया और अनुवाद ज्ञान विज्ञान का साहित्य और अनुवाद, बैंक, बीमा, वित्त और वाणिज्य में अनुवाद	15
IV	अनुवाद पुनरीक्षण-मूल्यांकन, मशीन अनुवाद और उसकी समस्याएं, वैश्वीकरण और अनुवाद	15
संदर्भ ग्रन्थ: तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972		


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012
3. पालीवाल डॉ. रीतारानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
4. गुप्ता डॉ. गार्गी, तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1994
5. कुमार डॉ सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1980
7. कुमार, डॉ सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1997
8. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, पारिभाषिक शब्दावली: कुछ समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1973
9. तिवारी भोलानाथ, कुमार कृष्ण, कार्यालयी अनुवाद की समस्या, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987
10. चौधरी डॉ. प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद 2012
11. टंडन पूनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01 से 04), किताब घर प्रकाशन प्रकाशन, दिल्ली, 2018
12. टंडन पूनचन्द एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
13. कुंचिपादम सीता, बैंको में अनुवाद प्रविधि, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली. 1991
14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिन्दी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018
15. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्प : समकालीन सन्दर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999
16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली 2007
17. <https://shabdavali.rbi.org.in/> (बैंकिंग शब्दावली)
18. <https://rajbhasha.gov.in/hi/hindi-vocabulary> (विभिन्न पारिभाषिक एवं शब्दकोष)
19. <https://www.collinsdictionary.com/hi/dictionary/english-hindi> (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)
20. <https://www.oxfordlearnerdictionaries.com/us/> (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)

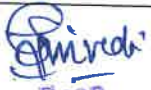
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

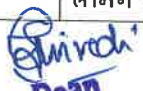
लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vindhyavasini University, Mirzapur



PROGRAMME/ CLASS: उपाधि(डिग्री) आनर्स with Research	बी0ए0 4 year/ एम ए प्रश्नपत्र मेजर अनिवार्य	VIII (अष्टम) सेमेस्टर/ MA II सेमेस्टर
SUBJECT: HINDI (हिन्दी)		
COURSE CODE: A010805T पंचम प्रश्नपत्र	COURSE TITLE: हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम,, पटकथा और विज्ञापन लेखन	
पाठ्यक्रम का लक्ष्य - • इकाई 1- हिंदी पत्रकारिता के सामान्य स्वरूप के साथ इसकी प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं से परिचय प्राप्त करते हुए इसके विकास के चरणबद्ध इतिहास को समझना। • इकाई 2-जनसंचार के परंपरागत और आधुनिक माध्यमों के स्वरूप और प्रयोग को समझते हुए हिंदी भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार में इनकी भूमिका को रेखांकित करना। • इकाई 3-विज्ञापन के बारे में जानकर विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन लेखन की सही प्रविधियों को समझना और इस कौशल का उपयोग रोजगार-प्राप्ति में करना। • 4- इकाई पटकथा-लेखन के स्वरूप और प्रक्रिया को समझकर इस क्षेत्र में रोजगारोन्मुख कौशल अर्जित करना।		
CREDITS-04	MAX MARKS 25+75=100	MIN. PASSING MARKS: 40
Total No. of Lecture-Tutorials-Practical (in hours per weeks) 3-0-0 or 2-1-0 etc		
UNIT इकाई	Topic	NO lectures One Hour
I	हिंदी पत्रकारिता : अवधारणा, सामान्य परिचय, इतिहास एवं वर्तमान स्वरूप, महत्व, प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ (नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती, मतवाला, सुधा, माधुरी, चौद, हंस, प्रतीक, आलोचना, समालोचक, नया पथ, धर्मयुग, समकालीन भारतीय साहित्य , आजकल)	15
II	जनसंचार : अर्थ एवं अवधारणा, विविध माध्यम, चुनौतियाँ, संभावनाएँ, ई-पत्रकारिता, ब्लाग पत्रकारिता ।	15
III	विज्ञापन : अर्थ परिभाषा, प्रकार एवं विशेषताएँ, विज्ञापन का विभिन्न क्षेत्रों से संबंध एवं महत्व, विज्ञापन कानून एवं आचार संहिता आधारभूत सिद्धांत। विज्ञापन निर्माण की प्रविधि भाषा एवं विविध माध्यम	15
IV	पटकथा लेखन : अर्थ परिभाषा, सामान्य परिचय, पटकथा लेखन की प्रक्रिया प्लाट बनाना, ड्राफ्ट बनाना, पटकथा के प्रारूप, प्रमुख साफ्टवेयरों की जानकारी	15
लर्निंग आउटसकम -		


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vinayakini University, Mirzapur

IV	पटकथा लेखन : अर्थ परिभाषा, सामान्य परिचय, पटकथा लेखन की प्रक्रिया प्लॉट बनाना, ड्राफ्ट बनाना, पटकथा के प्रारूप, प्रमुख साफ्टवेयरों की जानकारी	15
	संदर्भ ग्रंथ सूची : 1. भारतीय पत्रकारिता कोश: खंड 1 व 2, विजयदत्त श्रीधर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास: अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 3. हिन्दी पत्रकारिता: स्वरूप एवं संदर्भ: विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 4. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास: जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 5. हिन्दी पत्रकारिता: कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली 6. साहित्यिक पत्रकारिता: ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 7. समकालीन वैश्विक पत्रकारिता में अखबार: प्रांजल धर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 8. हिन्दी पत्रकारिता की शब्द संपदा डा० बद्रीनाथ कपूर, डा० आर० रत्नेश, डा। शिवकुमार अव प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 9. हिन्दी पत्रकारिता: विविध आयाम (भाग 1 व 2): सं० डा० वेदप्रताप वैदिक, हिन्दी बुक सेंटर दिल्ली 10. विज्ञापन, व्यवसाय एवं कला, डॉ रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली 11. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन, डॉ विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर 12. पटकथा-लेखन: एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 13. जनसंचार माध्यम और विशेष लेखन, प्रो. निरंजन सहाय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 14. जनसंचार माध्यम, NCERT 15. पटकथा लेखन : एक परिचय मनोहर श्याम जोशी 18. हिन्दी विज्ञापन की भाषा, आशा पाण्डेय, ब्लेकी एंड पब्लिशर्स प्रा. लि., दिल्ली	
	Suggested continuous evaluation methods : लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vindhyavasini University, Meerut





माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर

हिन्दी विभाग

(नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार)

पाठ्यक्रम संरचना

एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संरचना - एम. ए. II वर्ष

वर्ष	सेमेस्टर	श्रेणी/ कोर्स का प्रकार	कोर्स कोड	प्रश्न पत्र का शीर्षक	क्रेडिट्स
एक वर्षीय स्नातकोत्तर कोर्स / एम. ए. द्वितीय वर्ष	IX नवम	मेजर अनिवार्य	AO109 01T	प्रश्न पत्र 01- आधुनिक काल (गद्य काल): इतिहास और साहित्य (भारतेंदु एवं द्विवेदी युग)	04
			AO109 02T	प्रश्न पत्र 02 - आधुनिक काल: इतिहास और साहित्य (स्वच्छंदतावाद, छायावाद, उत्तर छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और नवगीत)	04
			AO109 03T	प्रश्न पत्र 03- आधुनिक काल: प्रेमचंद एवं प्रेमचंदोत्तर युग (स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वातंत्रोत्तर गद्य)	04
			AO109 04T	प्रश्न पत्र 04- कथेतर गद्य विधाएँ (संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोरताज, डायरी, यात्रावृत्त गद्य काव्य)	04
			AO109 05T	प्रश्न पत्र 05 - रिसर्च प्रोजेक्ट/ लघु शोध	04
कुल क्रेडिट्स-20					
एक वर्षीय स्नातकोत्तर कोर्स / एम. ए. द्वितीय वर्ष	X दशम	मेजर अनिवा र्य	AO10001T	प्रश्नपत्र 01- आधुनिक काल: इतिहास और साहित्य (अकविता, विभिन्न दशकों की कविताएँ और उत्तर शती का काव्य)	04
			AO10002T	प्रश्न पत्र 02- हिंदी आलोचना और आलोचक	04

Dean

Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur

			AO10003T	प्रश्नपत्र 03- भारतीय साहित्य	04
			AO10004T	प्रश्न पत्र 04- विमर्श आधारित विशेष अध्ययन (स्त्री, दलित, आदिवासी तथा थर्ड जेंडर में से किसी एक का विशेष अध्ययन अनिवार्य है)	04
			AO10005T	रिसर्च प्रोजेक्ट/ लघु शोध	04
कुल क्रेडिट्स-20					


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vindhyavasini University, Mirzapur




पाठ्यक्रम के उद्देश्य - प्रश्नपत्रवार - M.A. II Year

- नवम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र 'आधुनिक काल (गद्यकाल) : इतिहास और साहित्य (भारतेन्दु एवं द्विवेदी युग)' के अंतर्गत विद्यार्थियों में आधुनिकता की अवधारणा की समझ तथा इसके आलोक में आधुनिक साहित्य के आस्वादन और समालोचन की क्षमता विकसित करना। गद्य-साहित्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए भारतेन्दुयुगीन तथा द्विवेदीयुगीन गद्यकारों की रचना-प्रक्रिया एवं वैशिष्ट्य से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
 - नवम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र 'आधुनिक काल: इतिहास और साहित्य (स्वच्छंदतावाद, छायावाद, उत्तर छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और नवगीत)' के अंतर्गत विद्यार्थियों को आधुनिक काल के साहित्य के विविध काव्यान्दोलनों के काल-विस्तार, उनकी प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित कराना, सम्बंधित प्रतिनिधि रचनाकारों की रचना-प्रक्रिया और सौंदर्य का उद्घाटन और विश्लेषण करना।
 - नवम सेमेस्टर के तृतीय प्रश्नपत्र 'आधुनिक गद्य: प्रेमचंद एवं प्रेमचंदोत्तर युग (स्वतंत्रतापूर्व एवं स्वातंत्र्योत्तर गद्य)' के अंतर्गत विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के पहले और उसके बाद के हिंदी गद्य में हुए परिवर्तन और विकास के विविध रूपों से परिचित कराना और उनके आस्वाद की क्षमता विकसित करते हुए प्रमुख गद्यकारों और उनकी रचनाओं के वैशिष्ट्य से उन्हें गहनता से अवगत कराना।
 - नवम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र 'कथेतर गद्य विधाएं (संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्टाज, डायरी, यात्रावृत्त, गद्यकाव्य)' के अंतर्गत विद्यार्थियों को निर्धारित कथेतर गद्य विधाओं के गद्य प्रारूप की विशेषताओं तथा तथा इनमें निहित सृजनात्मकता के तत्वों से परिचित कराते हुए उनके साहित्यिक महत्त्व को समझाना तथा निर्धारित रचनाओं के माध्यम से इनके आस्वाद तथा मूल्यांकन में समर्थ बनाना।
-
- दशम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र आधुनिक काल: इतिहास और साहित्य (विभिन्न दशकों की कविताएं, अकविता और उत्तरशती का काव्य) के अंतर्गत विद्यार्थियों को समकालीन हिंदी कविता के विभिन्न दशकों के काव्यान्दोलनों और उनकी मुख्य प्रवृत्तियों से परिचित कराना तथा इनके माध्यम से समकालीन भारत के राजनैतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक वातावरण की समझ विकसित करना।
 - दशम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र 'हिंदी आलोचना' के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी आलोचना के ऐतिहासिक विकास-क्रम से परिचित कराना, उनमें आलोचक और आलोचना के सम्बन्ध में व्यापक समझ विकसित करना तथा हिंदी के प्रतिनिधि आलोचकों के आलोचना कर्म के महत्त्व को रेखांकित करना।
 - दशम सेमेस्टर के तृतीय प्रश्नपत्र 'भारतीय साहित्य' के अंतर्गत विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य के व्यापक अध्ययन द्वारा भारतीयता की अवधारणा से परिचित कराना; पूर्वी भारत, पश्चिमी भारत तथा दक्षिणी भारत की प्रसिद्ध साहित्यिक कृतियों के अध्ययन और विश्लेषण के माध्यम से भारतीय समाज को एक अटूट इकाई के रूप में देखने की राष्ट्रीय भावना को पुष्ट करना।
 - दशम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-अ) 'स्त्री विमर्श' के अंतर्गत विद्यार्थियों को स्त्री विमर्श के इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए इसकी पृष्ठभूमि और आवश्यकता से परिचित कराना। साथ ही स्त्री जीवन की चुनौतियों की गहरी समझ विकसित करते हुए उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाना।
 - दशम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-ब) 'दलित विमर्श' के अंतर्गत विद्यार्थियों में दलित वर्ग के सदस्यों की समस्याओं और वेदना के प्रति संवेदनशील समझ विकसित करना, साथ ही उन्हें दलित विमर्श के इतिहास की विस्तृत जानकारी देते हुए दलित आन्दोलनों तथा महत्त्वपूर्ण दलित विचारकों के विचारों और उनके प्रभाव की जानकारी देना।

- दशम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-स) 'आदिवासी विमर्श' के अंतर्गत विद्यार्थियों में आदिवासी अस्मिता की समझ विकसित करना, आर्थिक विकास और भूमंडलीकरण के इस दौर में जल-जंगल-जमीन तथा विस्थापन की समस्या से उनका परिचय कराना। प्रतिनिधि रचनाओं के माध्यम से आदिवासी जीवन के संघर्ष और उनकी आकांक्षाओं के प्रति यथार्थपरक दृष्टि का सृजन करना।
- दशम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-द) 'तृतीयलिंगी विमर्श (थर्ड जेंडर) के अंतर्गत विद्यार्थियों में लैंगिक विमर्श की अवधारणा की व्यापक समझ विकसित करते हुए तृतीयलिंगी समाज के अस्तित्व तथा उनकी समस्याओं के प्रति सहानुभूतिपूर्ण जागरूकता उत्पन्न करना।
- दशम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक-य) 'डायस्पोरा' के अंतर्गत प्रवासी भारतीयों के अस्तित्व और उनकी समस्याओं की जानकारी देना, प्रवासी साहित्य की व्यापक समझ विकसित करते हुए इसके सम्मुख उपस्थित चुनौतियों से विद्यार्थियों का परिचय कराना।


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vinayavastai University, Mirzapur




सामान्य निर्देश

सतत आंतरिक मूल्यांकन हेतु सामान्य निर्देश - उपरोक्त समस्त प्रश्न पत्रों में रिसर्च प्रोजेक्ट/ लघु शोध कार्य को छोड़कर मुख्य परीक्षा के पूर्णांक 75 अंक तथा आंतरिक परीक्षा के 25 अंक होंगे। सतत आंतरिक परीक्षा (मिड टर्म परीक्षा) के मूल्यांकन हेतु अंकों का विभाजन निम्न लिखित होंगे -

दक्षता परीक्षण, समूह कार्य (कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर) परियोजना कार्य वाचन इत्यादि के लिए निर्धारित अंक कुल अंक 25	परियोजना कार्य	10 अंक
	प्रस्तुतिकरण हेतु	05
	क्विज़ के लिए	05
	उपस्थिति के लिए	05
		कुल अंक- 25

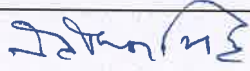

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vindhyavasini University, Mirzapur




PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		M.A. II YEAR	SEMESTER: IX / MA III
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010901T		COURSE TITLE: आधुनिक काल (गद्य काल): इतिहास और साहित्य (भारतेंदु एवं द्विवेदी युग)	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य:			
1. इकाई 1 : आधुनिकता की अवधारणा की समझ के आलोक में साहित्य और सौन्दर्यबोध की समझ बने। तार्किकता और वैज्ञानिकता के पहलू साहित्य के माध्यम से प्रकट हो तथा आधुनिक साहित्य का काल विस्तार और इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का उद्घाटन हो।			
2. इकाई 2 : गद्य की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसके विभिन्न आयामों को प्रकट करना।			
3. इकाई 3 : भारतेंदुयुगीन गद्य एवं गद्यकारों की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य से परिचय।			
4. इकाई 4 : द्विवेदीयुगीन गद्य एवं गद्यकारों की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य से परिचय।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	आधुनिकता : अर्थ और अवधारणा नवजागरण और आधुनिकता आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, सीमांकन एवं नामकरण		15
II	गद्य : अर्थ और अवधारणा हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास हिन्दी गद्य की विशिष्टता		15
III	भारतेंदुयुगीन गद्य साहित्य की प्रवृत्तियां भारतेंदुयुगीन प्रमुख गद्य साहित्य एवं गद्यकार		15
IV	द्विवेदीयुगीन गद्य साहित्य की प्रवृत्तियां द्विवेदीयुगीन प्रमुख गद्य साहित्य एवं गद्यकार		15
संदर्भ ग्रन्थ:			
1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० लक्ष्मीसागर वाणर्षी, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग।			

	3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ० राजकिशोर त्रिपाठी, प्र० अरूण प्रकाशन, कलकत्ता। 4. हिंदी का गद्य साहित्य, डॉ० रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। 5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा, प्र० रामनारायण लाल, प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्र० बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ० वासुदेव सिंह, प्र० हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० लक्ष्मीसागर वाण्येय, प्र० लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ० श्रीकृष्ण लाल, प्र० हिन्दी परिषद, प्रयाग। 10. आधुनिक हिन्दी कविता: विष्वनाथ प्रसाद तिवारी 11. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी 12. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद 13. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं। Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
--	---

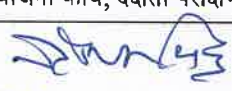

 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vaidyavanini University, Mirzapur




PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)	MA II YEAR	SEMESTER: IX/ MA III
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010902T	COURSE TITLE: आधुनिक काल : इतिहास और साहित्य (स्वछंदतावाद, छायावाद, उत्तर छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और नवगीत)	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य:		
1. इकाई 1 : आधुनिकता की अवधारणा की समझ के आलोक में साहित्य और सौन्दर्यबोध की समझ बने। तार्किकता और वैज्ञानिकता के पहलू साहित्य के माध्यम से प्रकट हो तथा आधुनिककालीन साहित्य की परिधि में विभिन्न काव्य आंदोलनों का काल विस्तार और इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का उद्घाटन हो ।		
2. इकाई 2 : स्वछंदतावाद और छायावाद की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का अध्ययन करना और साहित्यिक परमपरा के निर्माण में इसके अवदान को चिन्हित करना ।		
3. इकाई 3 : उत्तर-छायावाद के दौर के काव्य आंदोलनों जैसे प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता और नवगीत आंदोलनों की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का अध्ययन करना और साहित्यिक परमपरा के निर्माण में इसके अवदान को चिन्हित करना ।		
4. इकाई 4 : सम्बंधित प्रतिनिधि कवियों/कवयित्रियों की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य से परिचय ।		
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	हिन्दी कविता और आधुनिकता का वैचारिक परिप्रेक्ष्य हिन्दी कविता का शिल्प और आधुनिक सौन्दर्यबोध	15
II	स्वछंदतावाद एवं छायावाद : अर्थ, अवधारणा और पारस्परिकता प्रतिनिधि कवि और कवितायें : बीती विभावरी जाग री... जयशंकर प्रसाद, प्रथम रश्मि... सुमित्रानंदन पन्त, यह मंदिर का दीप ... महादेवी वर्मा, कुकुरमुत्ता... सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	15
III	प्रगतिवाद, प्रयोगवाद : अर्थ, अवधारणा, प्रवृत्तियां और प्रभाव प्रतिनिधि कवि और कवितायें : दिल्ली... रामधारी सिंह दिनकर, जितनी स्फीति इयत्ता मेरी झलकाती है... अज्ञेय	15
IV	नई कविता : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियां और प्रभाव	15

प्रतिनिधि कवि और कविता : अँधेरे में... मुक्तिबोध नवगीत : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ और प्रभाव प्रतिनिधि नवगीतकार और नवगीत : समय की शिला पर... शम्भुनाथ सिंह	
संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० लक्ष्मीसागर वाण्येय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग। 3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ० राजकिशोर त्रिपाठी, प्र० अरूण प्रकाशन, कलकत्ता। 4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1, 2) : पं० विश्वनाथप्रसाद मिश्र, प्र० वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी। 5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा, प्र० रामनारायण लाल, प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्र० बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ० वासुदेव सिंह, प्र० हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० लक्ष्मीसागर वाण्येय, प्र० लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ० श्रीकृष्ण लाल, प्र० हिन्दी परिषद, प्रयाग। 10. आधुनिक हिन्दी कविता: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 11. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी 12. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद 13. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	

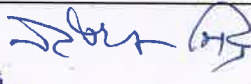

Dean
Faculty of Humanities
Maa Vishayavasi University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		MA II YEAR	SEMESTER: IX/ M.A. III
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010903T		COURSE TITLE: आधुनिक गद्य : प्रेमचंद एवं प्रेमचंदोत्तर युग (स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वातंत्र्योत्तर गद्य)	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य:			
1. इकाई 1 व 2 : स्वतंत्रता के पहले और उसके बाद के गद्य में आये परिवर्तन और विकास के विभिन्न रूपों के सैधान्तिक आयाम को समझने की क्षमता विकसित करना ।			
2. इकाई 3 व 4 : स्वतंत्रता से पहले और बाद के गद्य में आये परिवर्तन व विकास के विभिन्न रूपों का आस्वाद कराना ।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS:
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	स्वतन्त्रतापूर्व हिन्दी गद्य का स्वरूप प्रेमचंद का गद्य : संवेदना और शिल्प प्रेमचंदयुगीन गद्य और प्रमुख गद्यकार		15
II	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गद्य का स्वरूप प्रेमचंदोत्तर हिन्दी गद्य और प्रमुख गद्यकार		15
III	प्रमुख गद्य का पाठ : उपन्यास कला (प्रेमचंद) देहाती दुनिया (शिवपूजन सहाय)		15
IV	प्रमुख गद्य का पाठ : उत्तर प्रियदर्शी (अज्ञेय) प्रगीत और समाज (नामवर सिंह)		15
संदर्भ ग्रन्थ:			
1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।			
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० लक्ष्मीसागर वाष्णीय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग।			
3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ० राजकिशोर त्रिपाठी, प्र० अरूण प्रकाशन, कलकत्ता।			
4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1, 2) : पं० विश्वनाथप्रसाद मिश्र, प्र० वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।			

	5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा, प्र० रामनारायण लाल, प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्र० बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ० वासुदेव सिंह, प्र० हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० लक्ष्मीसागर वाष्णीय, प्र० लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ० श्रीकृष्ण लाल, प्र० हिन्दी परिषद, प्रयाग। 10. आधुनिक हिन्दी कविता: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 11. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी 12. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद 13. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं। Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
--	--


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vaidya Vastal University, Mirzapur





PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		MA II YEAR	SEMESTER: IX/ M.A. III
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010904T		COURSE TITLE: कथेतर गद्य विधाएं (संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, डायरी, यात्रावृत्त, गद्यकाव्य)	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य:			
1. इकाई 1 : संस्मरण और रेखाचित्र विधाओं के गद्य प्रारूप की विशेषताओं व इनमे निहित सृजनात्मकता के तत्वों का उद्घाटन करना।			
2. इकाई 2 : रिपोर्ताज और डायरी जैसी अल्पचर्चित गद्य विधाओं के भाषाई व साहित्यिक महत्व को चिन्हित करना।			
3. इकाई 3 : यात्रा-वृत्तान्त और पत्र – साहित्य के स्वरूप एवं इतिहास और हिन्दी भाषा-साहित्य में इनके स्थान का मूल्यांकन करने में अध्येताओं को समर्थ बनाना।			
4. इकाई 4 : गद्य काव्य की परंपरा के उत्स और विकास की दिशा का अवगाहन करना तथ सम्बंधित प्रतिनिधि रचनाकार की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य से परिचय कराना।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	संस्मरण और रेखाचित्र : स्वरूप एवं विशेषताएं, इतिहास और वर्तमान भक्तिन (संस्मरण) : महादेवी माटी की मूर्तें (रेखाचित्र) : रामवृक्ष बेनीपुरी, चयनित रचना- 'रूपा की आजी'		15
II	रिपोर्ताज और डायरी : स्वरूप एवं विशेषताएं, इतिहास और वर्तमान ऋणजल – धनजल (रिपोर्ताज) : फणीश्वरनाथ रेणु, चयनित अंश - पंछी की लाश हंसते हुए मेरा अकेलापन (डायरी अंश) : मलयज		15
III	यात्रा वृत्तान्त और पत्र-साहित्य : स्वरूप एवं विशेषताएं, इतिहास और वर्तमान चीड़ों पर चांदनी : (यात्रा वृत्तान्त) : निर्मल वर्मा, अंश- 'ब्रेख्त और एक उदास नगर' मैथिलीशरण गुप्त के नाम पत्र - 'द्विवेदी पत्रावली' (महावीर प्रसाद द्विवेदी)		15
IV	गद्यकाव्य : अर्थ, अवधारणा और स्वरूप, इतिहास और वर्तमान 'साधना' संग्रह के आरम्भिक दस गद्यगीत - राय कृष्णदास		15
संदर्भ ग्रन्थ:			
1. 'द्विवेदी पत्रावली' - सं. श्री बैजनाथ सिंह विनोद, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी			

2. 'साधना' - राय कृष्णदास, साहित्य सदन, झाँसी
3. 'मलयज की डायरी' - मलयज (सं नामवर सिंह), वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. 'स्मृति की रेखाएँ' - महादेवी वर्मा, भारती भण्डार, इलाहाबाद
5. चीड़ों पर चांदनी - निर्मल वर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, कलकत्ता
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० लक्ष्मीसागर वाष्णीय, प्र० लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ० श्रीकृष्ण लाल, प्र० हिन्दी परिषद, प्रयाग।
8. माटी की मूरतें - रामवृक्ष बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, पटना
9. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
11. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
12. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचंद्र तिवारी
13. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं: रामविलास शर्मा
14. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण: रामविलास शर्मा
15. कवि मन: अज्ञेय
16. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा: नंदकिशोर आचार्य
17. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध: महादेवी वर्मा
18. साहित्यिक विधाएं: पुनर्विचार: डा० हरिमोहन
19. महादेवी वर्मा की विश्वदृष्टि: तोमोको किकुचि, परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली
20. महादेवी वर्मा के रेखाचित्र: एक अध्ययन: प्र० राठौर, बी०बी०, अमन प्रकाशन, कानपुर
21. हिन्दी का संस्मरण साहित्य: राजरानी शर्मा,
22. लेखन कला: एक परिचय: डा० मधु धवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
23. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
24. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास: डा० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण


Dean
Faculty of Humanities
Maa Vinayak University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		MA II YEAR	SEMESTER: X/ MA II
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A0101001T		COURSE TITLE: आधुनिक काल: इतिहास और साहित्य (विभिन्न दशकों की कविताएँ, अकविता और उत्तर शती का काव्य)	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 विभिन्न दशकों के काव्य आंदोलनों के बारे में समझ बनेगी और तत्कालीन समाज को समझने में मदद मिलेगी। 2. इकाई 2 अकविता आन्दोलन की सामाजिक, राजनैतिक तथा संस्कृति पृष्ठभूमि की व्यापक समझ बनेगी। 3. इकाई 3 तत्कालीन राजनैतिक हालातों को समझने में कविताएँ मददगार सिद्ध होंगी। 4. इकाई 4 उत्तर शती के काव्य की व्यापक समझ बनेगी।			
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33	
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	विभिन्न दशकों का काव्य आन्दोलन ● इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ		15
II	अकविता आन्दोलन ● सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य		15
III	पटकथा : सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' 'माध्यम' (प्रतिनिधि कविताएं) - कुंवर नारायण		15
IV	उत्तर शती का काव्य आन्दोलन		15

- सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य

संदर्भ ग्रन्थ:

1. संसद से सड़क तक - धूमिल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रतिनिधि कविताएं - कुंवर नारायण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ० राजकिशोर त्रिपाठी, प्र० अरूण प्रकाशन, कलकत्ता।
4. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास - नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा, प्र० रामनारायण लाल, प्रयाग।
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्र० बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
7. लम्बी कविताओं का रचना विधान - नरेंद्र मोहन (सं), दि मैकमिलन पब्लिकेशन, दिल्ली
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ० लक्ष्मीसागर वाष्णेय, प्र० लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ० श्रीकृष्ण लाल, प्र० हिन्दी परिषद, प्रयाग।
10. आधुनिक हिन्दी कविता: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
11. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी
12. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
13. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।


Dean
Faculty of Humanities
Kaa Vindhyavasini University, Mirzapur



PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		MA II YEAR	SEMESTER: X/ MA IV
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A0101002T		COURSE TITLE: हिन्दी आलोचना	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 हिंदी आलोचना के विभिन्न चरणों को समझ बनेगी। 2. इकाई 2 हिंदी आलोचना के विकास के क्रम को समझने में मदद मिलेगी। 3. इकाई 3 प्रतिनिधि आलोचकों के आलोचना कर्म की मर्म की समझ बनेगी। 4. इकाई 4 आलोचक और आलोचना की व्यापक समझ बनेगी।			
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS	
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	हिन्दी आलोचना I - भारतेंदु युगीन हिन्दी आलोचना - द्विवेदी युगीन हिन्दी आलोचना - शुक्ल युगीन हिंदी आलोचना		15
II	शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना II - सठोतरी आलोचना - नब्बे दशक की आलोचना 21वीं सदी की आलोचना		15
III	प्रतिनिधि हिन्दी आलोचक I भारतेंदु		15

	● बालकृष्ण भट्ट ● महावीर प्रसाद द्विवेदी ● आचार्य रामचंद्र शुक्ल ● आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ● नंददुलारे वाजपेयी	
IV	प्रतिनिधि हिन्दी आलोचक II ● डॉ. नगेन्द्र ● रामविलास शर्मा ● नामवर सिंह ● गजानन माधव 'मुक्तिबोध' ● विजयदेव नारायण साहू ● बच्चन सिंह	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिंदी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 4. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	


 Dean
 Faculty of Humanities
 M. J. Somaiya Institute of Management Studies & Research, Mumbai



PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		M.A. II YEAR	SEMESTER: X/ MA IV
Subject: Hindi			
COURSE CODE. A0101003T		COURSE TITLE: भारतीय साहित्य	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 भारतीय साहित्य के व्यापक अध्ययन से भारतीयता के अर्थ को समझने में मदद मिलेगी।			
2. इकाई 2 दक्षिण भारत के साहित्य के माध्यम से उस समाज को समझने में मदद मिलेगी।			
3. इकाई 3 गोरा उपन्यास को पढ़ने के बाद राष्ट्रभावना का संचार होगा। खामोश, अदालत जारी है को पढ़ने के बाद आधुनिक जीवन की समस्याओं को समझने में मदद मिलेगी।			
4. इकाई 4 कविता के जरिये समाजिक यथार्थ को समझने में मदद मिलेगी।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	भारतीय साहित्य : अर्थ और अवधारणा		15
II	मछुवारे : तक़्सी शिवशंकर पिल्लै हयवदन : गिरीश कर्नाड		15
III	गोरा : रबिन्द्रनाथ टैगोर खामोश, आदालत जारी है : विजय तेंदुलकर		15
IV	ट्रक डाला मैं सनातन : प्रसन्न कुमार मिश्र अभिसार : रबिन्द्रनाथ टैगोर सबसे खतरनाक : अवतार सिंह संधू 'पाश'		15


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vindhyavasini University, Mirzapur



	संदर्भ ग्रन्थ: 1. भारतीय साहित्य, डॉ. न गेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 2. भारतीय साहित्य की भूमिका, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 3. तुलनात्मक साहित्य, इन्द्रनाथ चौधरी, नेशनल पब्लिकेशन 4. आज का भारतीय साहित्य, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली 5. भारतीय साहित्य की अवधारणा, डॉ. शीला मिश्र, मिलिंद प्रकाशन 6. भारतीय साहित्य, डॉ. राम छबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 7. भारतीय साहित्य अध्ययन की दिशाएँ, डॉ. प्रदीप श्रीधर, तक्षशिला प्रकाशन 8. भारतीय साहित्य का भाव संसार, आरसु और डॉ. परिस्मिता बरलै 9. भारतीय साहित्य की पहचान, सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 10. भारतीय साहित्य के अध्ययन की सीमाएँ, प्रो. रोहिताश्व 11. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ, के. सच्चिदानंदन (हिन्दी अनुवाद) 12. उपन्यास:मूल्यांकन के नये आयाम - प्रभाकर सिंह (सं.), प्रोग्रेसिव बुक सेंटर, वाराणसी 13. भारतीय उपन्यास की भूमिका, तक्षशिला प्रकाशन 14. भारतीय उपन्यास साहित्य का उद्भव, आर.एस. सराजू, मिलिंद प्रकाशन This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vinayak University, Mirzapur

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		SEMESTER: X
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A0101004TA	COURSE TITLE: स्त्री विमर्श	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :		
1. इकाई 1 स्त्री विमर्श के इतिहास के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी। 2. इकाई 2 इस इकाई के अध्ययनोपरांत स्त्री विमर्श की जमीन और उसकी आवश्यकता के बारे में व्यापक समझ विकसित होगी। 3. इकाई 3 स्त्री जीवन की चुनौतियों से विद्यार्थी रु-ब-रु होंगे। 4. इकाई 4 एक स्त्री की जरूरतों के बारे में व्यापक समझ विकसित होगी।		
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	स्त्री विमर्श : अर्थ और अवधारणा	15
II	शृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा दिव्या : यशपाल	15
III	अन्या से अनन्या : प्रभा खेतान शाल्मली : नासिरा शर्मा	15
IV	दुलाईवाली : राजेंद्र बाला घोष आवां - चित्रा मुद्गल	15
संदर्भ ग्रन्थ:		
1. शृंखला की कड़ियाँ- महादेवी वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली		

	3. स्त्री संघर्ष का इतिहास - राधा कुमार प्र० वाणी प्रकाशन 4. स्त्री विमर्श : विविध पहलू: डॉ० कल्पना वर्मा, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद 5. स्त्री साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र: सं. अनिरुद्ध कुमार, अनिल कुमार सिंह, अनामिका प० एंड डि०, नई दिल्ली 6. स्त्री: उपेक्षिता, सीमोन द बोउआ, द हिंद पॉकेट बुक्स, 2002 7. भविष्य का स्त्री विमर्श : ममता कालिया, 8. स्त्री विमर्श का लोकपक्ष: अनामिका 9. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य: क्षमा शर्मा 10. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श: जगदीश्रवर चतुर्वेदी 11. स्त्री संघर्ष का इतिहास: राधा कुमार 12. परिधि पर स्त्री: मृणाल पाण्डेय 13. औरत के हक में : तसलीमा नसरीन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

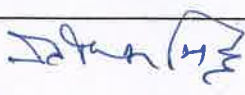

 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vinayak University, Mirzapur




PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		MA II YEAR	SEMESTER: X/ MA IV
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A0101004TB		COURSE TITLE: दलित विमर्श	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 दलित विमर्श के इतिहास के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।			
2. इकाई 2 दलित विचारकों के विचारों से विद्यार्थी खुद को अभिसिंचित कर सकेंगे।			
3. इकाई 3 दलित साहित्य आंदोलनों के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।			
4. इकाई 4 दलित घर में जन्म लिए इन्सान की वेदना को विद्यार्थी समझ सकेंगे।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	दलित विमर्श : अर्थ और अवधारणा		15
II	अम्बेडकर और उत्तर अम्बेडकर विचार		15
III	दलित आंदोलन और दलित साहित्य दलित साहित्य और भाषा		15
IV	जूठन : ओमप्रकाश बाल्मीकि मेरा बचपन मेरे कंधों पर : श्यौराज सिंह बेचैन		15
संदर्भ ग्रन्थ:			
1. हिंदी दलित साहित्य : संवेदना और विमर्श, पि.एन. सिंह			
2. हिंदी उपन्यासों में दलित विमर्श, डॉ. राकेश कुमार राम			
3. दलित साहित्य : नई चुनौतियाँ, प्रो. रामशंकर कठेरिया			

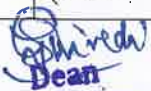
	4. दलित विमर्श: दशा और दिशा, मुकेश मिरोठा 5. दलित साहित्य और काव्य चिंतन, डॉ. खन्नाप्रसाद अमीन 6. दलित-विमर्श से आलोचना तक, सुरेश चन्द्र 7. मुख्यधारा और दलित साहित्य, ओमप्रकाश बाल्मीकि This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vishwanath University, Mirzapur





PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		MA II YEAR	SEMESTER: X/ MA IV
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A0101004TC		COURSE TITLE: आदिवासी विमर्श	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 भूमंडलीकरण के दौर में जल, जंगल और जमीन तथा विस्थापन की समस्या के बारे में व्यापक समझ बनेगी। 2. इकाई 2 आदिवासी अस्मिता के बारे में समझ बन सकेगी। 3. इकाई 3 विभिन्न रचनाकारों की कविताओं से गुजरते हुए विद्यार्थी आदिवासी जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। 4. इकाई 4 विभिन्न उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थी आदिवासी जीवन की समस्याओं को जान सकेंगे।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	आदिवासी सन्दर्भ उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया और आदिवासियों का शोषण, विस्थापन और विलोपन (वैश्विक सन्दर्भ), भारत में आदिवासी प्रश्न और आदिवासियों के आन्दोलन, आदिवासी जन के अधिकारों का संयुक्त राष्ट्रसंघ घोषणा-पत्र, भारत का वन अधिकार कानून		15
II	आदिवासी साहित्य आदिवासी अस्मिता, आदिवासी साहित्य की अवधारणा, औरचर और आदिवासियत (संदर्भ- आदिवासी साहित्य का रांची घोषणा पत्र - 2014) विश्व में आदिवासी साहित्य		15


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vinayak University, Mirzapur

	के विभिन्न रूप-नेटिव अमेरिकन लिटरेच, कलर्ड लिटरेच, अफ्रीकन अमेरिकन लिटरेच, ब्लैक लिटरेच, एबोरिजिनल लिटरेच इंडीजीनस लिटरेच	
III	हिंदी की आदिवासी कविता सूखी नदी/भरी नदी, विरोध, चेतावनी, प्रार्थना, सूर्योदय, झुके स्तन : राम दयाल मुंडा मैंने अपने आँगन में गुलाब लगाए, बाँस, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा : निर्मला पुतुल पत्थलगड़ी, हमारी अर्थी शाही हो नहीं सकती, बहेलिया का खेल : अनुज लुगुन	15
IV	हिन्दी का आदिवासी गद्य अल्मा कबूतरी : मैत्रयी पुष्पा सीता मौसी : रमणिका गुप्ता	15
संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी में आदिवासी साहित्य : इसपाक अली 2. भारतीय आदिवासी : लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा 3. आदिवासी कथा : महाश्वेता देवी 4. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी : रमणिका गुप्ता 5. आदिवासी साहित्य यात्रा : रमणिका गुप्ता 6. भारतीय आदिवासी उनकी संस्कृति और सामाजिक पृष्ठभूमि : ललित प्रसाद विद्यार्थी 7. आदिवासी भाषा और साहित्य : सं. रमणिका गुप्ता 8. आदिवासी संघर्ष गाथा : विनोद कुमार This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।		
Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण		

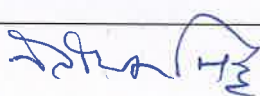

 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Vinayak University, Mirzapur



PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)	MA II YEAR	SEMESTER: X/ <u>MA IV</u>
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A0101004TD	COURSE TITLE: तृतीयलिंगी विमर्श (थर्ड जेंडर)	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :		
1. इकाई 1 लैंगिक विमर्श की अवधारणा की व्यापक समझ बनेगी। 2. इकाई 2 उपन्यासों के माध्यम से तृतीयलिंगी समाज को समझने में मदद मिलेगी तथा उनकी समस्याओं को समझ सकेंगे। 3. इकाई 3 आत्मकथाओं के माध्यम से उनके जीवन के बारे में व्यापक समझ बनेगी। 4. इकाई 4 नाटक के माध्यम से उनके दिनचर्या की समझ बनेगी।		
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	लैंगिक विमर्श : अर्थ और अवधारणा लैंगिक विमर्श का इतिहास	15
II	उपन्यास ● यमदीप - नीरजा माधव ● पोस्ट बॉक्स नं. 203 : नाला सोपारा : चित्रा मुद्गल	15
III	आत्मकथा ● मैं लक्ष्मी मैं हिजड़ा : लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ● पुरुष तन में फँसा मेरा नारी मन : मानोबी बंद्योपाध्याय	15
IV	नाटक	15

	● सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक : सुरेन्द्र वर्मा ● लल्लन मिस : रमा पाण्डेय	
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. लैंगिक विमर्श और यमदीप, हर्षिता द्विवेदी ; अमन प्रकाशन, कानपुर 2. किन्नर : सेक्स और सामाजिक स्वीकार्यता, प्रियंका नारायण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. कवीर विमर्श, के. वनजा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 4. थर्ड जेंडर विमर्श, सं. शरद सिंह, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली 5. हिन्दी साहित्य में किन्नर जीवन, सं. डॉ. दिलीप मेहरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 6. किन्नर गाथा, शीला डागा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 7. किन्नर विमर्श : शिक्षा, समाज और साहित्य , सं. बिन्दु कुमार चौहान, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली 8. किन्नर विमर्श : अस्तित्व की तलाश सिमरन, सं. डॉ. राजपाल, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली 9. किन्नर विमर्श : साहित्य और समाज, सं. मिलन बिश्रोई, विद्या प्रकाशन 10. विमर्श का तीसरा पक्ष, सं. डॉ. विजेंद्र प्रताप सिंह, अनंग प्रकाशन, दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	


 Dean
 Faculty of Humanities
 Maa Jindhyavastai University, Mirzapur





	4. प्रवासी साहित्य : एक मूल्यांकन, सं. डॉ. रम्या जी. एस. नायर, विकास प्रकाशन 5. प्रवासी हिन्दी कथा साहित्य, केदार कुमार मंडल, स्वराज प्रकाशन 6. प्रवासी हिन्दी साहित्य और ब्रिटेन, राकेश बी. दुबे, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली 7. प्रवासी हिन्दी साहित्य : विविध आयाम, डॉ. रमा, साहित्य संचय प्रकाशन 8. प्रवासी साहित्य का इतिहास : सिद्धांत एवं विवेचन, विकास प्रकाशन This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण


Dean
Faculty of Humanities
Maa Tinkari Mahavidyalaya, Mirzapur





a

PROGRAMME/CLASS: स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)		MA II YEAR	SEMESTER: X / MA IV
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A0101004TE		COURSE TITLE: डायस्पोरा	
पाठ्यक्रम का उद्देश्य :			
1. इकाई 1 प्रवासी साहित्य की व्यापक समझ बनेगी।			
2. इकाई 2 प्रवासी साहित्य के समझ उपस्थित चुनौतियों से आमना-सामना होगा।			
3. इकाई 3 प्रवासी भारतियों की समस्याओं की समझ बनेगी।			
4. इकाई 4 प्रवासी साहित्य की विषय-वस्तु की समझ बनेगी।			
CREDITS: 4		MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 33
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	प्रवासी हिंदी साहित्य : अर्थ और अवधारणा		15
II	प्रवासी हिंदी साहित्य अस्मिता की चुनौतियाँ		15
III	देह की कीमत : तेजेंद्र शर्मा इक सफर साथ-साथ : दिव्या माथुर		15
IV	वेस्टइंडीज का साहित्य : सुभाष कुमार प्रवासी पुत्र : डॉ. पद्मेश गुप्त		15
संदर्भ ग्रन्थ:			
1. प्रवासी हिंदी साहित्य : स्वरूप और अवधारणा, सं. डॉ. दत्ता कोल्हारे, भावना प्रकाशन			
2. प्रवासी लेखन : नयी जमीन , नया आसमान, अनिल जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली			
3. हिंदी का प्रवासी साहित्य, कमल किशोर गोयनका, स्वराज प्रकाशन			